newsjankalyanseva@gmail.com

साप्ताहिक

जनकल्याण सेवा

ठाणे | वर्ष - २३ | अंक - १६ | ६ से १२ मई २०२४ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

आयुक्त मधुकर पांडे ने पुलिस अधिकारियों व पुलिस कर्मियों को पदक से किया सम्मानित

भायंदर, महाराष्ट्र दिवस के उपलक्ष्य में १ मई को मीरा- भायंदर, वसई-विरार आयुक्तालय प्रांगण में आयुक्त मधुकर पांडेय ने ध्वजारोहण किया. इस अवसर पर पांडे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों को महाराष्ट्र दिवस तथा मजदूर दिवस की शुभकामनाएं दी. साथ ही एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत विभिन्न पुलिस थानों में कार्यरत ११ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को आयुक्त पांडेय ने पदक और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया. महासंचालक पदक से सम्मानित होने वाले पुलिस अधिकारियों में क्राइम ब्रांच (यूनिट-१) के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक अविराज कुराडे, सुजीत गुंजकर (सायबर सेल), एपीआई तेजश्री शिंदे (भरोसा सेल), दत्तात्रय जाधव (परि. २ वसई) और सहायक पुलिस उपनिरीक्षक अजय मांडोले, रामचंद्र पाटिल, अशोक ईशी सहित हवलदार आनंद मोरे, जयप्रकाश जाधव (वालीव), मुकेश पवार (तुलिंज) के साथ सिपाही नामदेव ईश्वलकर का समावेश है. इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त श्रीकांत पाठक, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) सुहास बावचे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) अविनाश अंबुरे, पुलिस उपायुक्त (परिमंडल १) प्रकाश गायकवाड तथा पुलिस आयुक्तालय के अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे.

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

अंतिम आंकड़ा मतदान

इस आम चुनाव के पहले और दूसरे चरण में कम मतदान के आंकड़े आए, तो निर्वाचन आयोग पर सवाल उठने शुरू हो गए थे कि उसका मतदाता जागरूकता अभियान कारगर साबित क्यों नहीं हो पा रहा। अब उसने अंतिम आंकड़े जारी किए हैं, जो पिछले आंकड़ों से पांच से छह फीसद तक अधिक हैं। यानी दोनों चरण में छियासठ फीसद से अधिक मतदान हुए। यह एक संतोषजनक आंकड़ा कहा जा सकता है। मगर विपक्षी दलों ने सवाल उठाया है कि निर्वाचन आयोग ने अंतिम आंकड़े जारी करने में इतना वक्त क्यों लगाया। ये आंकड़े पहले चरण के ग्यारह दिन और दूसरे चरण के चार दिन बाद आए हैं। अभी तक मतदान के चौबीस घंटों में अंतिम आंकड़े जारी कर दिए जाते थे। फिर, विपक्षी दलों ने यह भी पूछा है कि आयोग ने मतदाताओं की संख्या क्यों नहीं बताई है। इस तरह चुनाव नतीजों में गड़बड़ी की शंका भी जाहिर की जाने लगी है। पहले ही विपक्षी दल और कई सामाजिक संगठन मतदान मशीनों में गड़बड़ी की आशंका जताते रहे हैं। निर्वाचन आयोग के चुनाव प्रक्रिया और परंपराओं का उचित निर्वाह न करने से उनका संदेह स्वाभाविक रूप से और गहरा होगा। यह समझना मुश्किल है कि निर्वाचन आयोग ने मतदान के अंतिम आंकड़े जारी करने में इतना वक्त क्यों लगाया। मशीनों के जरिए मतदान कराने के पीछे मकसद यही था कि इससे मतगणना में आसानी होगी, मतदान से संबंधित आंकड़ों को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया जा सकेगा। मतदान मशीनों की केंद्रीय इकाई में हर मतदान केंद्र पर पड़े मतों की संख्या दर्ज होती है। इस तरह हर घंटे मतदान के आंकड़े जारी किए जाते हैं। हालांकि अंतिम आंकड़ा मतदान अधिकारियों के रजिस्टर में दर्ज संख्या से मिलान करने के बाद ही तय होते हैं। इसलिए मान कर चला जाता है कि मतदान मशीनों की केंद्रीय इकाई से मिले आंकड़ों में कुछ फीसद की बढ़ोतरी हो सकती है। मगर मतदान अधिकारियों के रजिस्टर में दर्ज संख्या की गणना करने में भी इतना वक्त नहीं लगता। जब इससे पहले मतदान समाप्त होने के अगले दिन अंतिम आंकड़े जारी कर दिए जाते थे, तो इस बार ऐसी क्या अड़चन आ गई कि ग्यारह दिन लग गए। फिर मतदाताओं की संख्या वेबसाइट पर बताने में क्या दिक्कत है। वह तो मतदाता सूची में दर्ज ही होती है। आज के डिजिटल युग में ऐसी सूचनाएं जारी करने में ज्यादा समय नहीं लगता। निर्वाचन आयोग का दायित्व है कि वह न केवल स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराए, बल्कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता भी बनाए रखे। अगर किसी विषय या बिंदु पर आम लोगों या राजनीतिक दलों को किसी प्रकार का संदेह या प्रश्न है, तो उसका निराकरण भी करे। पहले ही आम मतदाता के मन में यह धारणा बैठी हुई है कि मशीनों में गड़बड़ी करके मतों को इधर से उधर किया जा सकता है। फिर राजनेताओं के आपत्तिजनक बयानों और आचार संहिता के उल्लंघन संबंधी शिकायतों पर पक्षपातपूर्ण रवैए के आरोप भी निर्वाचन आयोग पर लगते रहे हैं। ऐसे में उससे अतिरिक्त रूप से सावधान रहने की अपेक्षा की जाती है। चुनाव की तारीखों का ऐलान करते हुए आयोग ने बढ़-चढ़ कर दावा किया था कि वह नियम-कायदों की किसी भी प्रकार की अनदेखी बर्दाश्त नहीं करेगा। मगर उसके इस दावे पर भरोसा इस बात से बनेगा कि वह खुद नियम-कायदों की कितनी परवाह करता है।

ब्लैकमेल कर शारीरिक संबंध बनानेवाला मोहसिन गिरफ्तार

मीरारोड : ७ माह से ब्लैकमेल कर शारीरिक संबंध बनाने, धन उगाही करने और जबरन धर्म परिवर्तन करने के लिए प्रताडित करने के एक प्रकरण में पीडिता की शिकायत पर नया नगर पुलिस ने आरोपी मोहसिन शेख सहित इमरान बागवान, जाफर शेख, मोबिन शेख ,अशफाक शेख और शहनाज शेख ऐसे ६ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। मीरारोड में रहने वाली २६ साल की पीडिता रेखा (बदला हुआ नाम) ने पुलिस को दिए अपने शिकायत में बताया की वर्ष २०२३ सितंबर के महीने में मोहसिन के साथ उसकी जान पहचान हुई थी। ६ अक्टूबर को आरोपी ने बिरयानी में कुछ नशीला पदार्थ मिला कर उसे खिलाया और बेहोशी की हालत में पीड़िता का बलात्कार कर आपत्तिजनक विडिओ बना लिया। उसके बाद उन्हीं अश्लील तस्वीरों व विडिओ को वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता को ब्लैकमेल करके कई बार उसका शारीरिक शोषण किया ,और जब वह गर्भवती हुई तो उसका गर्भपात भी करवाया। इसके अलावा आरोपी ने १लाख २० हजार नगद सहित १ लाख ५९ हजार मूल्य के सोने-चांदी के गहने भी उससे बलपूर्वक ले लिए और जबरन धर्म परिवर्तन के लिए उसे प्रताडित करने लगा। नयानगर पुलिस थाने के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक विलास सुपे ने बताया की मामला संवेदनशील है। आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा ३७६(२), ३५४, ४२०, ३२३, ३२८, ३४ के तहत मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और इसकी गहनता से जाँच की जा रही है। अन्य आरोपियों को भी जल्दी ही गिरफ्तार किया जाएगा।

आधी अधुरी सडकों से जनता परेशान - सरनाईक

भायंदर : मीरा भायंदर शहर में सीमेंट की सडक़े निर्माण का कार्य बहुत ही धीमी गति से चल रहा है। शहर की कई मुख्य सडक़े खोद दी गई हैं। कहीं एक तरफ की आधी सडक़ सीमेंट कांक्रीट की बना दी गई हैं तो कहीं आधी अधूरी पडी हुई है। इससे वातावरण में धूल तो फैल ही रही साथ ही यातायात में बाधा और ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। इससे आम नागरिकों में तो रोष देखी ही जा रही थी अब इस धीमी गति से चल रहे सडक़ निर्माण की वजह से विधायक प्रताप सरनाईक का गुस्सा भी फुट पडा है। उन्होंने मनपा आयुक्त संजय श्रीपतराव काटकर को पत्र लिख कर सीमेंट की सडक़े बनाने के कार्य में तेजी लाने और इसे मानसून पूर्व पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित करने को कहा है। सरनाईक ने अपने पत्र में कहा है कि इस सडक़ के निर्माण कार्य पर पूरा ध्यान देना और तय समय में पूरा करना जरूरी था। आयुक्त ने मुख्यमंत्री शिंदे के आदेशों की अनदेखी की है। सडक़ निर्माण कार्य की धीमी गति से जनता का आक्रोश बढ.रहा है और इसका असर लोकसभा व विधानसभा चुनाव में पड.सकता है। अच्छी गुणवत्ता वाली सीमेंट कंक्रीट सडक़ें, 'गड्ढा मुक्त मीरा भायंदर शहर' हमारा सपना है। मुख्यमंत्री ने इसके

लिए निधि दिया और समय-समय पर आदेश दिये, लेकिन आयुक्त इस पर ध्यान देते हैं या नहीं, यह सवाल उठता है। सरनाईक ने कहा है कि मीरा भायंदर मनपा प्रशासन का एकाधिकारशाही चल रहा है। एक ओर अचानक जल लाभ कर लगा दिया जाता है, दूसरी ओर सडक़ों का कार्य आधा-अधूरा छोड.दिया जाता है। सीमेंट कंक्रीट सडक़ का काम मई के अंत तक पूरा हो जाना चाहिए । मीरा भायंदर शहर में मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण तथा मनपा के सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा नए सीमेंट कांक्रीट के सडक़ व उसके किनारे नए गटर निर्माण का कार्य किया जा रहा है । जिसका कार्य बहुत ही धीमी गति से चल रहा है। सरनाईक ने आरोप लगाया है की कई ठेकेदारों को उनके कार्य के बिल का भुगतान नहीं किया गया है, इसलिए उन्होंने कार्य बंद कर दिया है।

शिंदे गुट के उम्मीदवार नरेश मस्के ने चुनावी रणनीति पर की चर्चा

भायंदर : मिरा भाईंदर विधानसभा चुनाव प्रमुख एड. रवि व्यास जी से महायुती के ठाणे लोकसभा उम्मीदवार नरेश मस्के जी ने भाईंदर (पश्चिम) आकर कार्यालय में मुलाकात की और आगे की चुनावी रणनीति पर चर्चा की. मिरा भाईंदर महानगर के मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुँचाने तथा मोदी जी के पक्ष में धधनुष बाणध निशाणी पर वोट डलवाने की जिम्मेदारी महायुती के सभी कार्यकर्ताओं की है. इसका नियोजन विधायक प्रताप सरनाईक, विधायक गीता जैन, विधायक रविन्द्र फाटक, युवासेना कार्याध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक, एडवोकेट रवि व्यास, बीजेपी जिला अध्यक्ष किशोर शर्मा, भाजपा युवा अध्यक्ष पंकज पाण्डे, जिला अध्यक्ष राजू भोईर, शिवसेना मि.भा. विधान सभा चुनाव प्रमुख विक्रम प्रताप सिंह,ओवला माजीवाडा विधानसभा प्रमुख सचिन माज़रेकर एनसीपी के अरुण कदम, संतोष पेंडूकर आदि हजारों कार्यकर्ता मिलकर घर घर सम्पर्क करेंगे.

मानसून पूर्व समीक्षा बैठक आयोजित

भायंदर : मीरा भायंदर मनपा आयुक्त एवं प्रशासक संजय श्रीपतराव काटकर की अध्यक्षता में सोमवार को आपदा प्रबंधन एवं मानसून पूर्व समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में अतिरिक्त आयुक्त अनिकेत मनोरकर, उपायुक्त (मुख्यालय) रवि पवार, उपायुक्त कल्पिता पिंपले, उपायुक्त सचिन बांगर, शहर अभियंता दीपक खांबित, कार्यकारी अभियंता नितिन मुकने, प्रभाग समिति १ से ६ के सहायक आयुक्त, अधिकारी, कर्मचारी, यातायात पुलिस अधिकारी, राष्ट्रीय राजमार्ग प्रतिनिधि, महानगर गैस प्रतिनिधि और जे. कुमार के प्रतिनिधि उपस्थित थे। आयुक्त काटकर ने मनपा क्षेत्र में चल रहे कार्यों को युद्ध स्तर पर पूरा करने ,मानसून के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित ना हो इसके लिए अभी से आवश्यक दक्षता लेते हुए प्रतिबंधात्मक उपयोजना करने का निर्देश दिया। सडक़ें गड्ढामुक्त हों इस पर विशेष ध्यान देने, गटर के मैनहोल के ढक्कनों और नालियों की सफाई करने और उन पर टूटे ढक्कनों को तुरंत बदलने का निर्देश दिया गया। नालों या नालियों से सटी सडक़ों से मलबा हटाने तथा वर्षा जल निकासी के लिए अस्थायी रूप से नालियां बनाने का निर्देश भी दिया । साथ ही शहर में निर्माणाधीन भवनों की जानकारी एवं भवन के चारों ओर सुरक्षा जाल एवं अन्य दुर्घटना रोकथाम उपायों के संबंध में निर्देश दिये गये। स्ट्रीट लाइटें व्यवस्थित रखने और बिजली के खंभों से कोई दुर्घटना न हो, प्रत्येक विद्युत पोल का बारीकी से निरीक्षण करने, यातायात पुलिस विभाग के माध्यम से प्राप्त निर्देशों के अनुसार वर्षा ऋतु के दौरान सिग्नल प्रणाली को नियमित रूप से चालू रखने तथा सडक़ों पर स्पीड ब्रेकर, जेब्रा क्रॉसिंग का कार्य कराने आदि का निर्देश भी बैठक के दौरान आयुक्त काटकर ने उपस्थित संबंधित अधिकारियों को दिया।

सत्ता के लिए राजनीतिक दलों को तोडनेवाले गद्दारों को जनता सबक सिखाएंगी - विचारे

मीरा-भायंदर : शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) महाविकास आघाडी के उम्मीदवार सांसद राजन विचारे ने विश्वास व्यक्त किया कि हम हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे, उद्धव ठाकरे, आनंद दिघे के वफादार कार्यकर्ता हैं और हमें विश्वास है कि ठाणे लोकसभा के मतदाता भारी बहुमत से उन्हें विजयी बनाएंगे, विकास कार्यों के बल पर जीत हासिल करेंगे। मीरा रोड की एक जनसभा को संबोधित करते हुए राजन विचारे ने आगे कहा कि सत्ता के लिए राजनीतिक दल को तोडने वाले और गद्दारों को मतदाता जरूर सबक सिखाएंगे और उन्हें घर बैठा देंगे। देश महंगाई, बेरोजगारी से त्रस्त है, वह जाति, धर्म नहीं देखता, चाहे हिंदू हो या मुस्लिम हर कोई इससे त्रस्त है। कांग्रेस के पूर्व विधायक व वरिष्ठ नेता मुजफ्फर हुसैन ने कहा कि मुस्लिम समुदाय देश की एकता, अखंडता, सुरक्षा, संविधान और समग्र विकास के लिए पूरी ताकत के साथ महाविकास आघाडी के साथ खडा है, राजन विचारे को भारी मतों से जिताएगा। पूरे दिन शहर में अभियान को लेकर जगह-जगह सवाल-जवाब होते रहे। काशीगांव, मीरा-गांवठन, शांति नगर, नया नगर, मीरा रोड के मुस्लिम बहुल इलाकों में रैली, पदयात्रा निकाली गई, जहां लोगों ने गर्मजोशी से राजन विचारे का स्वागत किया। देर शाम कांग्रेस की ओर से अस्मिता क्लब मैदान में कार्यकर्ता बैठक आयोजित की गई। सभी धर्मों के लोगों के साथ ही उपजिलाप्रमुख बृजेश तिवारी, एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, एनसीपी के अंकुश मालुसरे, वनजा नायडू और कांग्रेस-शिवसेना के सभी पूर्व नगरसेवक, राकांपा (शरदचंद्र पवार), शिवसेना, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी के नेता, पदाधिकारी व कार्यकर्ता सहित भारी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। कांग्रेस प्रवक्ता प्रकाश नागणे, रूबीना फिरोज, मर्लिन डिसा, राकेश राजपुरोहित, सुरेश मिश्रा, यास्मीन खान ने घोषणा पत्र के पांच न्याय और पच्चीस गारंटी पर लेकिन ऐसा नहीं हो सका। नाईक के साथ ही उनके समर्थकों का भी सपना चकनाचूर हो गया। उन्हें ऐसा लग रहा है कि अब संजीव नाईक का राजनीतिक करियर ही खत्म हो जाएगा। उन्हें लग रहा है कि इस चुनाव में अगर म्हस्के की जीत हो गई तो संजीव नाईक फिर यहां से अब चुनाव नहीं लड.पाएंगे। आम जनता के साथ ही म्हस्के का साथ इस चुनाव में भाजपाई भी नहीं देंगे, ऐसी चर्चा शहर में जोरों पर है।

कराड सातारा लोकसभा चुनाव के कैंपियन में माजी एमएलसी मुजफ्फर हुसैन का भव्य स्वागत

एमएमआरडीए की उम्मीदों पर फिरा पानी ! एमटीएचएल पर उम्मीद से कम वाहनों की आवाजाही

मुंबई : शिवड़ी-न्हावा शेवा सागरीय पुल पर उम्मीद से कम वाहनों का आवागमन हो रहा है। ऐसे में टोल कलेक्शन भी काफी कम होने से एमएमआरडीए की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। उल्लेखनीय है कि इस सागरीय पुल का उद्घाटन काफी धूमधाम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ माह पहले किया था। एमएमआरडीए का अनुमान था कि इस पुल पर से प्रतिदिन लगभग ७०,००० वाहन गुजरेंगे, जो दुनिया के सबसे लंबे समुद्री लिंक की सूची में बारहवें स्थान पर है, लेकिन पिछले चार माह में वाहनों की रोजाना औसत संख्या १० हजार ७५३ ही है। यही वजह है कि टोल कलेक्शन को लेकर एमएमआरडीए ने जो उम्मीद लगाई थी, वह गलत होता नजर आ रहा है। इस ब्रिज पर रोजाना औसतन २१-२२ लाख रुपए ही वसूले जा रहे हैं। शिवड़ी-न्हावा शेवा ब्रिज को मुंबई को तीसरी मुंबई से जोड़नेवाले समुद्री पुल के रूप में देखा जाता है। २१.८ किमी लंबे इस महत्वाकांक्षी समुद्री मार्ग के निर्माण पर एमएमआरडीए ने १७ हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए हैं। ऐसे में अगर छह लेन के इस ब्रिज पर प्रतिदिन ७० हजार वाहन चलेंगे तो टोल से डेढ़ से दो करोड़ रुपए की वसूली होने का अनुमान था, वहीं आरटीआई एक्टिविस्ट अजय बोस ने आरटीआई के तहत जानकारी मांगी थी कि सागरी सेतु के खुलने के बाद से यहां कितने वाहनों ने आवाजाही की है। इसके मुताबिक, एमएमआरडीए ने बताया है कि १३ जनवरी से २३ अप्रैल तक करीब १०३ दिनों में ११ लाख ७ हजार ६०६ गाड़ियां इस समुद्री पुल से गुजरी हैं और उनसे करीब २२ करोड़ ५७ लाख रुपए का टोल वसूला गया है।

आचार संहिता का उल्लंघन करनेवालों के खिलाफ कडी कारवाई होगी

विरार : पालघर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की आचार संहिता के संबंध में आयुक्त की अध्यक्षता में नोडल अधिकारी (मुख्य) वसई-विरार मनपा मुख्यालय पर बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में अपर आयुक्त (उत्तर/दक्षिण), मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी, सभी नोडल अधिकारी, उपायुक्त, प्र.सहायक आयुक्त, सहायक आयुक्त, कार्यकारी अभियंता, विभागाध्यक्ष एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। मनपा ने बताया कि आयुक्त ने २२-पालघर लोकसभा क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता के कार्यान्वयन के साथ-साथ मतदान केंद्र को अच्छी तरह से सुसज्जित रखने के संबंध में कई निर्देश दिए। फिलहाल, हम चुनाव के चरण में हैं और नामांकन पत्रों की प्रक्रिया शुरू हो गई है। चूंकि उसके बाद बडे.पैमाने पर प्रचार शुरू हो जाएगा। ऐसे में होर्डिंग, बैनर को लेकर तरह-तरह की शिकायतें बडे. पैमाने पर मिलेंगी। आयुक्त ने इन शिकायतों के समय पर निराकरण के लिए उठाए जाने वाले कदमों के संबंध में मार्गदर्शन दिया। इसी प्रकार चुनाव के दौरान होर्डिंग्स, बैनर, विज्ञापन लगाने के साथ-साथ मैदान में सभा करने की अनुमति देने, एफएसटी/एसएसटी टीमों के माध्यम से कार्रवाई करने, आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के संबंध में की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में भी चर्चा की गई। अवैध रूप से होर्डिंग, बैनर लगाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया तथा चुनाव के संबंध में की गयी कार्रवाई से समय-समय पर चुनाव आयोग एवं अन्य संबंधित विभागों को अवगत कराना। आयुक्त ने विभिन्न विषयों पर चर्चा कर उपस्थित अधिकारियों को मार्गदर्शन एवं निर्देश भी दिए। साथ ही मुख्य रूप से अधिकारी दो दिनों में सभी मतदान केंद्रों का दौरा करें और वहां छोटी-मोटी मरम्मत कराएं, जांच करें कि मतदान केंद्रों पर पीने का पानी, टेबल, कुर्सियां, मंडप, रोशनी, पंखे, रैंप, शौचालय आदि हैं या नहीं और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करें। आयुक्त ने निर्देश दिया कि मतदान के दिन मतदान केंद्र पर मेडिकल टीम, व्हीलचेयर, नर्सरी, मतदानकर्मियों के भोजन आदि की व्यवस्था की जाए तथा सभी मतदान केंद्रों को सुसज्जित किया जाए। इस अवसर पर आयुक्त ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चुनाव आचार संहिता के अनुरूप दिये गये निर्देशों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

१० मई को धूमधाम से मनाएगी अक्षय तृतीय

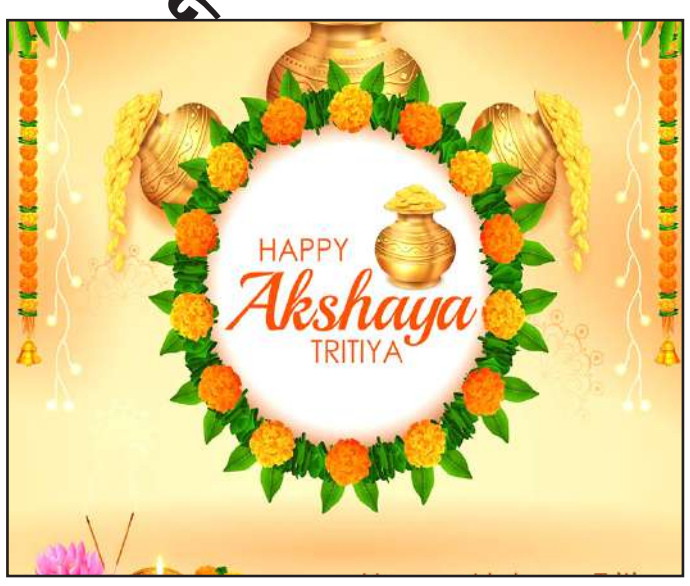

मुंबई : अक्षय तृतीया के अब कुछ ही दिन बचे हैं. इस बार १० मई शुक्रवार को अक्षय तृतीया मनाई जाएगी. हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया के पर्व का विशेष महत्व होता है. हिंदू बहुत मान्यताओं के अनुसार यह तिथि ही शुभ और महत्वपूर्ण मानी गई है. वैदिक पंचांग के अनुसार अक्षय तृतीया का पर्व हर वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है. अक्षय का अर्थ होता है, जिसका कभी क्षय न हो या फिर जिसका कभी नाश न हो. इस तिथि को अबूझ मुहूर्त माना गया है, यानी इस तिथि पर किसी भी शुभ कार्य और मांगलिक कार्य को करने के लिए मुहूर्त का विचार नहीं करना पडता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस शुभ पर्व पर किया जाने वाले दान-पुण्य, पूजा- पाठ, जाप-तप और शुभ कर्म करने पर मिलने वाला फलों में कमी नहीं होती है. इस दिन सोने के गहने खरीदने और मां लक्ष्मी की पूजा करने का विशेष महत्व होता है. अक्षय तृतीया के पर्व को आखा तीज के नाम से भी जाना है. इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में भी मनाई जाती है. यह पर्व हिंदू और जैन दोनों ही धर्म के भक्तों के लिए विशेष होता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया तिथि पर ही त्रेता और सतयुग का आरंभ भी हुआ था, इसलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं. अक्षय तृतीया तिथि की अधिष्टात्री देवी पार्वती हैं. इस पर्व पर स्नान, दान, जप, यज्ञ, स्वाध्याय और तर्पण आदि जो भी कर्म किए जाते हैं वे सब अक्षय हो जाते हैं. यह तिथि संपूर्ण पापों का नाश करने वाली और सभी सुखों को प्रदान करने वाली मानी गई है. शास्त्रों में अक्षय तृतीया तिथि को स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त माना गया है. यानी इस तिथि पर बिना मुहूर्त का विचार किए सभी प्रकार के शुभ कार्य संपन्न किया जा सकता है. इस दिन कोई भी शुभ मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, सोने-चांदी के आभूषण, घर, भूखंड या वाहन आदि की खरीदारी किए जा सकते हैं. इस अबूझ मुहूर्त की तिथि पर व्यापार आरंभ, दान- पुण्य, पूजा-पाठ अक्षय रहता है. हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष अक्षय तृतीया का त्योहार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है. वैदिक ज्योतिष शास्त्र में भी इस तिथि का विशेष महत्व होता है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब अक्षय तृतीया का पर्व आता है तब सूर्य अपनी उच्च राशि मेष में रहते हैं, साथ ही इस तिथि पर चंद्रमा वृषभ राशि में मौजूद होते हैं. माना जाता है इस दौरान सूर्य और चंद्रमा दोनों ही सबसे ज्यादा चमकीले होते है शुभ कार्यों को संपन्न करने के लिए अक्षय तृतीया की तिथि बहुत ही खास मानी गई है. इस दिन नई योजना को शुरू करने, नए व्यवसाय, नौकरी, नए घर में प्रवेश करने और शुभ खरीदारी के लिए बहुत ही शुभ माना गया है. वैदिक पंचांग के अनुसार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत १० मई को सुबह ४ बजकर १७ मिनट पर होगी. वहीं इस तृतीया तिथि का समापन ११ मई २०२४ को सुबह ०२ बजकर ५० मिनट पर होगी. उदया तिथि के आधार पर १० मई को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाएगा. अक्षय तृतीया त्योहार पर मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त सुबह ५ बजकर ४८ मिनट से लेकर दोपहर १२ बजकर २३ मिनट तक रहेगा.

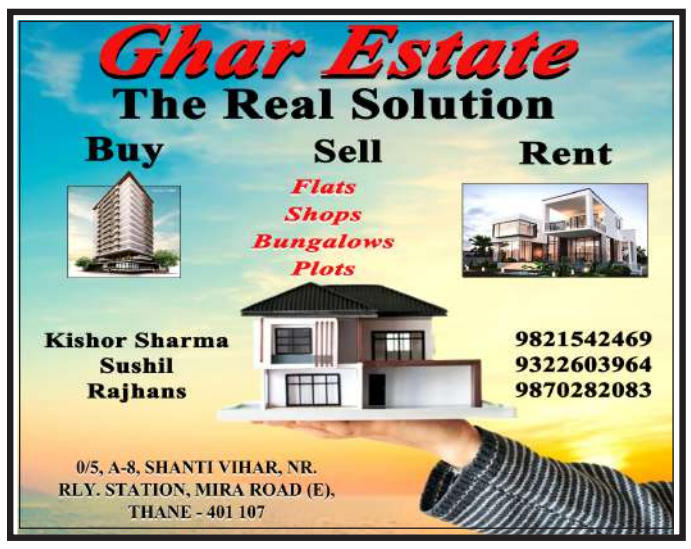

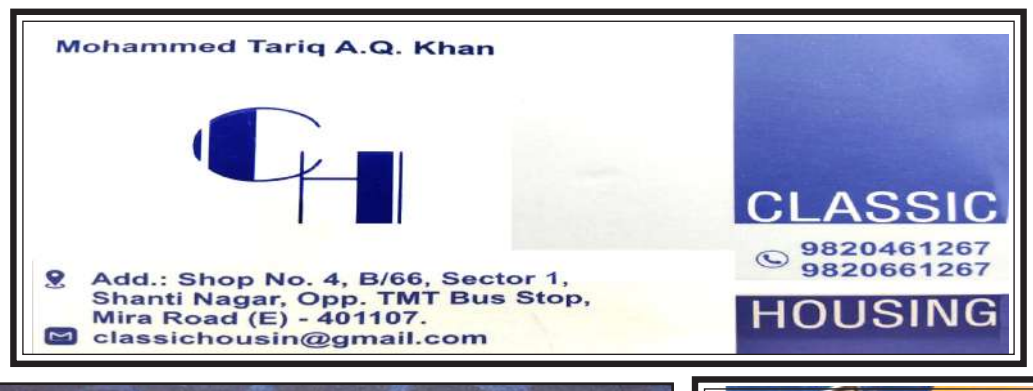

मुंबई की लाईफ लाईन ट्रेन में सुरक्षा को लेकर उठे सवाल

मुंबई : मुंबई की लाइफलाइन कहे जानेवाली लोकल ट्रेन में यात्रा की वजह किफायती और सुरक्षित यात्रा है, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों से लोकल में यात्रा करना असुरक्षित हो गया है। पिछले एक सप्ताह में ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जिसमें नशेड़ियों द्वारा यात्रियों को टारगेट कर मारपीट की गई है। ऐसे ही एक मामले में यात्री की जान चली गई है। एक यात्री को अपने हाथ गंवाने पड़ गए। ऐसी घटनाओं के बाद यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। नई मुंबई में रेलवे लाइन पर एक यात्री को ट्रेन से धक्का देने की घटना सामने आई थी। इसके बाद ही नशेड़ियों द्वारा एक यात्री को धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। ये घटनाएं मुंबई लोकल के अंदर एक खौफ को जन्म दे रही हैं। मारे गए यात्री का नाम दत्तात्रय भोईर है। आरोपियों के खिलाफ कल्याण लोहमार्ग पुलिस में मामला दर्ज किया गया है। २७ से २८ अप्रैल के बीच नशे में धुत तीन-चार युवकों ने इस घटना को अंजाम दिया। ये युवक लोकल ट्रेन में लोगों के मोबाइल फोन और सोने की चेन खींचने की कोशिश कर रहे थे और जिन यात्रियों ने इसका विरोध किया, उन यात्रियों को बेल्ट से पीटा। इसमें शाहपुर निवासी दत्तात्रय भोईर ने विरोध किया तो इन युवकों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। भोईर २७ अप्रैल को उल्हासनगर में अपने रिश्तेदार के यहां हल्दी समारोह के बाद घर के लिए आ रहे थे। इस बीच बुधवार को नई मुंबई में उत्तर प्रदेश के एक युवक को चलती लोकल से धक्का दे दिया गया। स्थानीय कुछ युवकों से झगड़ा होने के बाद उन युवकों ने उसे धक्का देकर सीधे बाहर धकेल दिया। रेलवे अधिनियम, १९८९ के सेक्शन-१४४ के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति रेलगाड़ी, रेलवे प्लेटफॉर्म, रेलवे परिसर में भीख मांगता पकड़ा जाता है तो उस पर १,००० रुपए तक का ज़ुर्माना या एक वर्ष तक की कैद या फिर दोनों हो सकते हैं। बता दें कि आरपीएफ द्वारा नशेड़ियों को भी रेलवे की धारा १४४ बी के अंतर्गत गिरफ्तार किया जाता था।

तलाकशुदा महिलाओं को ठगने वाला गिरफ्तार शिकार , २५ से अधिक औरतों को बनाया शिकार!

मुंबई : शादी का झांसा देकर २५ से अधिक तलाकशुदा महिलाओं के साथ ठगी करने वाले हैदराबाद के ४० वर्षीय आरोपी को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ४० वर्षीय इमरान अली खान शादी के नाम पर दो दर्जन से भी अधिक महिलाओं को अपना शिकार बना चुका है। यह इतना शातिर था कि मैट्रिमोनियल साइट्स पर महिलाओं की तलाश करता था। इमरान अली पुलिस की गिरफ्त में तब आया जब उसने मुंबई की रहनेवाली ४२ साल की एक शिक्षिका को अपना शिकार बनाया। बताया जाता है कि यह शख्स तलाकशुदा महिलाओं से शादी का वादा करता था। मुंबई की ४२ वर्षीय शिक्षिका से उसने धोखे से २२ लाख रुपए हड़प लिए। पीड़िता की शिकायत के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इमरान अली पर हत्या, हत्या के प्रयास, बलात्कार, मारपीट के कई मामले दर्ज किए जा चुके हैं। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी इमरान के निशाने पर ऐसी तलाकशुदा महिलाएं होती थीं जो अकेली रहती थीं, क्योंकि ऐसी महिलाएं भावनात्मक रूप से बेहद कमजोर होती हैं और ये महिलाएं अपने लिए जीवनसाथी की तलाश में रहती हैं। मैट्रिमोनियल साइट्स पर वो खुद को कंस्ट्रक्शन ठेकेदार बताता था। जब कोई महिला उसके जाल में फंस जाती तो पहले वो उसका भरोसा हासिल करता। इमरान के खिलाफ पायधुनी पुलिस स्टेशन में ४२ वर्षीय शिक्षिका ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, शिक्षिका साल २०२३ में उसके संपर्क में आई। झूठी बातें बोलकर उसने महिला का भरोसा जीत लिया। इमरान ने शिक्षिका से कहा कि वो भायखला में एक फ्लैट खरीद रहा है और शादी के बाद दोनों वहीं रहेंगे। इस फ्लैट को खरीदने के नाम पर इमरान ने महिला से धीरे-धीरे करके २१.७३ लाख रुपए ठग लिए। लेकिन जब महिला को एहसास हुआ कि इमरान का उससे शादी करने का कोई इरादा नहीं है और वो उसके पैसे भी नहीं लौटाएगा, तो उसने यह बात अपने परिजनों को बताई, जिसके बाद परिवार ने पुलिस में इमरान अली की शिकायत दर्ज कराई। सूत्रों का कहना है कि इमरान अली खान पर मुंबई, धुले, सोलापुर, परभणी, देहरादून, कोलकाता, लखनऊ और दिल्ली में दो दर्जन से भी ज्यादा महिलाओं को ठगने का शक है। महिलाओं से ऐंठे गए रुपयों से वो जुआ खेलता था। इसके साथ ही उसके ऊपर तेलंगाना के दबीरपुरा सहित कई अन्य पुलिस थानों में हत्या, हत्या के प्रयास, बलात्कार, मारपीट, आत्महत्या के लिए उकसाने के कई मामले दर्ज हैं।

अस्पताल में सुविधाओं की ऐसी-तैसी! अतिरिक्त आयुक्त के औचक दौरे से मची खलबली

मुंबई : मनपा द्वारा संचालित केईएम अस्पताल में मरीजों को मुहैया कराई जा रही सुविधाओं की ऐसी-तैसी हो चुकी है। एक तरह जहां ओपीडी से लेकर वॉर्डों में गंदगी के कारण दुर्गंध से मरीजों और उनके परिजनों को जीना दुश्वार हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ दवाइयों की कमी, एमआरआई और सीटी स्वैन से लेकर सोनोग्राफी तक कराने के लिए मरीजों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। इस बीच केईएम में छह वॉर्डों के शुरू काम का गुरुवार को अतिरिक्त आयुक्त डॉ. सुधाकर शिंदे औचक मुआयना करने पहुंचे। इसकी खबर लगते ही अस्पताल में खलबली मच गई। इस बीच उन्होंने कामों के साथ ही साफ-सफाई, मरीजों और अस्पताल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही मरीजों से पूछताछ कर दवा, इंजेक्शन, खून जांच आदि चीजों का जायजा लिया। यही नहीं आयुक्त ने डीन को फटकार लगाते हुए आदेश दिया कि सोनोग्राफी विभाग में व्याप्त दिक्कतों को हल करते हुए अन्य कामकाजों में सुधार करिए। उल्लेखनीय है कि मनपा के पांच प्रमुख अस्पतालों की फेहरिस्त में केईएम का भी समावेश है। इस अस्पताल में ओपीजी में हजारों की संख्या में मरीज इलाज कराने आते है, जबकि सैकड़ों अस्पताल में भर्ती होते हैं। हालांकि, यह अस्पताल हमेशा से स्वास्थ्य असुविधाओं के कारण चर्चा में रहा है। कभी एमआरआई, सीटी और सोनोग्राफी के लिए कई महीनों तक मरीजों को वेटिंग पर रखने के लिए, तो कभी दवाइयों, इंजेक्शनों की कमी और अस्पताल में गंदगी के लिए सुर्खियों में रहा है। इसके साथ ही अस्पताल में चूहे, आवारा बिल्लियों और कुत्तों से भी परेशानी होती है।

दुघर्टनाओं का शहर बना ठाणे! एक वर्ष में घटी ३७० दुघर्टनाएं, ११० यात्रियों की हुई मृत्यु

ठाणे : ठाणे जिले में दुर्घटनाओं की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती ही जा रही है, जिसके कारण हर साल सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या में नागरिकों की मौत हो रही है। जनवरी से लेकर अब तक ठाणे पुलिस कमिश्नरेट सीमा और ग्रामीण इलाकों में कुल ३७० दुर्घटनाएं हुईं। इसमें ११० लोगों की मौत हो गई है। इस कालावधि में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष दुर्घटनाओं की संख्या में ४७ की वृद्धि हुई और मृतकों की संख्या में १४ का इजाफा हुआ है, जिसे परिवहन आयुक्त विवेक भीमनवार ने गंभीरता बताते हुए उपाय योजना की जरूरत बताया है। परिवहन आयुक्त विवेक भीमनवार ने आरटीओ के ठाणे कार्यालय क्षेत्र में भी दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि को गंभीरता से लिया है। कमिश्नर ने ठाणे में आरटीओ अधिकारियों को यह जानने के लिए बुलाया था कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए क्या उपाय किए गए हैं। सरकारी तंत्र के सामने सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण की बड़ी चुनौती है और खराब सड़कें, वाहनों का अच्छी हालत में न होना, शराब पीकर वाहन चलाना, क्षमता से अधिक माल परिवहन करना, तेज गति से वाहन चलाना आदि कई कारणों से दुर्घटनाओं को न्योता मिल रहा है। इन हादसों में नाहक ही नागरिक मारे जा रहे हैं। जनवरी से लेकर अब तक नई मुंबई कमिश्नरेट में १९५ दुर्घटनाओं में ५८ लोगों की मौत हो गई। इस दौरान इस साल १८१ हादसों में ६४ लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि मीरा-भायंदर, वसई-विरार आयुक्तालय में जनवरी से अप्रैल (२०२३) के बीच २२७ दुर्घटनाएं हुईं थीं, जिनमें ४९ लोगों की मौत हुई। हालांकि, इस साल हादसों की संख्या में कमी दर्ज की गई है, जिसके अनुसार १७६ दुर्घटनाओं में ४६ लोगों की मौत हुई।

सावधान! चुनाव के दौरान : डीप फेक वीडियो शेयर किया तो होगी कार्रवाई : राज्य सरकार के निर्देश

मुंबई : लोकसभा चुनाव के दौरान डीप फेक वीडियो क्लिप, फोटो या अन्य कंटेंट बनाकर उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित करने का चलन दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। हालांकि इस संबंध में कार्रवाई करने की मांग विभिन्न स्तरों से आ रही है, राज्य सरकार ने इस मांग पर ध्यान दिया है। राज्य सरकार ने पुलिस प्रशासन को ऐसे कंटेंट शेयर करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पिछले कुछ दिनों से फोटोशाप, मशीन लर्निंग (एमएल) या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी विभिन्न तकनीकों का दुरुपयोग करके डीप फेक वीडियो, क्लिप, फोटो या अन्य प्रकार की सामग्री बनाई जा रही है। राज्य सरकार ने कहा है कि चुनाव के दौरान इस तकनीक का दुरुपयोग चिंता का विषय है। किसी उम्मीदवार, राजनीतिक दल या चुनावी मुद्दे के बारे में झूठे वीडियो, ऑडियो, फोटो बनाना या वास्तविक फोटो, ऑडियो, वीडियो में हेरफेर करके उन्हें गलत तरीके से प्रसारित करने इस तरह के अनुचित तरीके से बनाए गए डीप फेक वीडियो, क्लिप या फोटो वास्तविक प्रतीत होते हैं और संबंधित की गलतफहमी या मानहानि का कारण बनते हैं। ऐसे मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश राज्य सरकार ने पुलिस विभाग को दिया है। खास बात यह है कि चुनाव के दौरान ऐसे मामलों में बढ़ोतरी होती है।

मिरा - भाईंदर महानगरपालिका
उद्यान व वृक्षप्राधिकरण विभाग
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर भवन (नगरभवन) भाईंदर (प.) ता, जि. ठाणे - ४०११०१,
दुरध्वनी - २८१८४५५३

जा. क्र./मनपा/उद्यान/०३/२०२४-२५ दिनांक : ०३/०४/२०२४

// जाहिर नोटीस सुचना //

मिरा भाईंदर महानगरपालिका प्रभाग समिती क्र. १, २ व ३ अंतर्गत उद्यान व वृक्ष प्राधिकरण विभागाची मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील विकास कामातील बाधीत होणारी / धोकादायक झाडे मुळासहित काढणेकामी नागरीकांच्या हरकती किंवा सुचना दि. ०४/०४/२०२४ ते १०/०४/२०२४ या कालावधीत मागविण्यात येत आहेत. सदरची जाहिर नोटीस सुचना महानगरपालिकेच्या www.mbmc.gov.in संकेतस्थळावर उपलब्ध आहेत.

जा. क्र. मनपा/मावज/ E-1768007/2023-24
दिनांक ०२/०५/२०२४

सही/-
(कांचन गायकवाड)
सहा. आयुक्त तथा वृक्ष अधिकारी
मिरा भाईंदर महानगरपालिका

सत्यमेव जयते
महाराष्ट्र शासन

संयुक्त महाराष्ट्रासाठी झटला,
प्राणपणाने झुंजला,
अपार शौर्याने गाजला
महाराष्ट्र माझा...

महाराष्ट्र दिनाच्या हार्दिक शुभेच्छा

संयुक्त महाराष्ट्रासाठी
बलिदान दिलेल्या हुतात्म्यांना...
त्रिवार-वंदन...

www.mahasamvad.in | /MahaDGIPR | /MaharashtraDGIPR

माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय - महाराष्ट्र शासन

महाराष्ट्र शासन
जिल्हा माहिती कार्यालय, ठाणे
क्र.विमाका/कोवि/महा.दिन/२७५८

मेहता बने मीरा भाईंदर के लोकप्रिय नेता

भाईंदर : दिनांक २९ अप्रैल, २०२४ के दिन भारतीय जनता पार्टी (मिरा भाईंदर शहर जिल्हा) द्वारा पत्रकार परिषद का आयोजन किया गया था जिस में विविध संघटनातमक विषयो को पत्रकारो के समक्ष प्रस्तूत किया गया तथा माजी आमदार नरेंद्र मेहता के नेतृत्व में भाजपा जिलाध्यक्ष किशोर शर्मा ने । पत्रकार परिषद में सभी १० मण्डल अध्यक्ष की नियुक्ति की गई भारतीय जनता पार्टी के अनुशासन एवं शिस्त को भंग करने हेतु भाजपा प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुळे के आदेशानुसार, के.के तिवारी और कृणाल शाह इन्हें भाजपा से निष्कासित किया गया , नरेंद्र मेहता ने संकेतो में कहा की की जो लोग भाजपा रहते हुए भाजपा के साथ गद्दारी करते हैं उनको भाजपा से बहार निकाला जाएगा । मेहता जनता के बिच में जाकर हर सुख दुख त्योहार में साथ देते हैं जिससे लोगों में उनकी काफी लोकप्रिय बनी हुई हैं। भाजपा के पदाधिकारियों का कहना है की मा आमदार नरेन्द्र मेहता की वजह से ही भाजपा का डंका बजा था ६१ सीटो पर भाजपा के नगरसेवक चुनकर आए थे जिसे भुलाया नहीं जा सकता लेकिन कुछ गद्दारो की वजह से भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र मेहता को हार का सामना देखना पडा था जो कि मामुली अतर था । भाजपा कार्यकर्ताओं ने बताया की नरेंद्र मेहता ने ऐसे ऐसे लोगों को नगरसेवक चुनकर लाए जिनका कोई वजुद नहीं था और उन्हीं लोगों ने धोखा दिया जो कभी भाजपा के थे ही नहीं । नरेन्द्र मेहता के कार्यों से लोकप्रियता काफी बढ.रही जिससे विरोधीयो के खेमे में आग लगी हुई है। नरेन्द्र मेहता ने जो काम किया वो कोई नहीं कर पाया ऐसा मिरा भायदर की जनता का कहना है जिससे कई समाज के लोग नरेंद्र मेहता को वापसी आमदार के रुप में देखना चाहते है।

टेंबा अस्पताल के कर्मचारियों को मानधन की मिली राहात

भायंदर : भायंदर पश्चिम में स्थित शहर के एकमात्र सरकारी पंडित भीमसेन जोशी (टेंबा) अस्पताल के पोस्टमार्टम (शव विच्छेदन) केंद्र में काम करने वाले संविदा कर्मचारियों को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन भी नहीं मिलने के कारण उनमें नाराजगी देखी जा रही थी. अल्प वेतन पर काम करने की वजह से कुछ कर्मचारी काम छोड.कर जाने की तैयारी में थे. इसकी शिकायत अस्पताल के रूग्ण नियामक समिति को मिलने के बाद समिति ने कर्मचारियों को वेतन के अतिरिक्त प्रति शव विच्छेदन १०० रुपए देने का प्रस्ताव समिति की सभा में पारित किया था. जिसे अब लागू कर दिया गया है. इससे कर्मचारियों को कुछ राहत मिली है. अप्रैल २०२३ से मार्च २०२४ के बीच शव विच्छेदन केंद्र में कुल ५९८ शव का विच्छेदन किया गया था. जिसमें कटर का कार्य करने वाले सफाई कर्मचारी आकाश पवार ने ३१८, प्रवीण महापर्ले ने १८० और विनय देसाई ने १०० शवों की कटिंग की थी. इसके अनुसार पवार को प्रति शव विच्छेदन अतिरिक्त १०० रुपए के हिसाब से ३१ हजार ८००, महापर्ले को १८ हजार और देसाई को १० हजार रुपए ऐसे कुल ५९ हजार ८०० रुपए अतिरिक्त मानधन शुक्रवार को अस्पताल द्वारा अदा किया गया. बता दें कि राज्य सरकार द्वारा संचालित जोशी अस्पताल के पोस्टमार्टम केंद्र में संविदा पर क्लर्क, कटर आदि कर्मचारी काम कर रहे हैं. वास्तविक शव विच्छेदन में कटर का काम करने वाले कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है. इस केन्द्र में ठेकेदार के माध्यम से तीन कटर नियुक्त किये गये हैं. उन्हें मात्र ९ हजार ५०० रुपए मासिक वेतन मिलता है. इसके अलावा कई बार २ से ३ माह के अंतराल पर इन्हें वेतन मिलता है. कुछ माह पहले तक क्लर्क को ठेकेदार द्वारा ११,५०० रुपए और कटर को १०,५०० रुपए वेतन दिया जाता है.

एस.एस. डेव्हलपर के बिल्डर चंदूभाई पटेल पर मामला दर्ज

मीरा रोड : मीरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्र में तकरीबन ६५०० सोसाइटी कार्यरत हे , मीरा भायंदर महानगरपालिका का क्षेत्र की लोक संख्या ११ लाख से ज्यादा है , एशिया खंड में सुनियोजित ऐसा मीरा रोड शहर है इस मीरा रोड शहर मैं शीतल रेजेंसी मनोर सोसायटी है , तकरीबन २६ फ्लैटस ,१६ दुकानें हैं ! १९९१ में इस इमारत का निर्माण हुआ , अप्रैल १९९३ में उप निबंधक सहकारी संस्था ठाणे में इस सोसायटी अधिकृत तरीके.से रजिस्टर्ड हुई , इस इमारत को एस. एस. डेवलेपर्स के श्री चंदूभाई सी. पटेल व अन्य एस. सी. पटेल ने निर्माण किया , घर निर्माण संस्था को रजिस्टर्ड होने के पश्चात सरकारी नियमानुसार ४ महीने के भीतर इमारत को मंजूर नक्शा व होने वाली जमीन सोसायटी के नाम हस्तांतरित करना वचन पूर्ती है ! परंतु जमीन सोसायटी के नाम विकासक श्री चंदूभाई सी. पटेल व अन्य इन्होने हस्तांतरित करके नहीं दी , इसी कारण , इसी इमारत में रहने वाले सलमान कुरेशी इनके शिकायत के अनुसार मीरा रोड पोलिस थाने के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक श्री चंद्रकांत सरोदे इनके तात्परता से पोलिस विभाग ने श्री चंदूभाई सी. पटेल व ए. सी. पटेल इन दोनों पर , गंभीर अपराध की पंजिकृत धारा ११, १३ के अनुसार मामला दर्ज हुआ ! मोका कायदा तहत बिल्डर/ विकासाकने जिस इमारत की सहकारी गृहनिर्माण संस्था की नोंदणी ही है, ऐसे इमारती के जमीन के हक्क चार महीने के भीतर सहकारी गृहनिर्माण संस्था को हस्तांतरित करना चाहिए पर मिरा भाईंदर परिसर में बडे पेमाने पर सहकारी गृहनिर्माण संस्था के जमिनी के मालकी हस्तांतरण हुए नही है यह बात गंभीर है. संस्था के जमीन की मालकी आज भी बिल्डर/ विकासक के पास है. उन्होने तत्काल हस्तांतरित करना आवश्यक है. उपनिबंधक सहकारी संस्था, ठाणे , तालूका , (मीरा-भाईंदर) किशन रत्नाळे, उपनिबंधक सहकारी संस्था , ठाणे इन्होने मे बताया कि मीरा-भाईंदर क्षेत्र में हुई है, ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है,जमीन जब तक सोसायटी के नाम पर नही होती है, तब तक सोसायटी पुन:र्विकास नही कर सकती है ,ऐसा उनका कहना है !

शिंदे गुट के नरेश म्हस्के की उम्मीदवारी से भाजपा कार्यकर्ताओं में खिचतान

भायंदर : ठाणे लोकसभा सीट से शिवसेना शिंदे गुट से महायुति के नरेश म्हस्के को उम्मीदवार बनाए जाने पर मीरा भायंदर भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी का माहौल है। इसलिए संभावना है कि इसका सीधा असर महायुति के चुनाव प्रचार पर पडेग़ा और समझा जाता है की इसका सीधा फायदा शिवसेना यूबीटी उम्मीदवार राजन विचारे को हो सकता है। मीरा भायंदर भाजपा ने तो सीधे तौर पर ऐलान कर भी दिया था कि वह शिवसेना उम्मीदवार के लिए काम नहीं करेगी! इसलिए चर्चा है की इस सीट को लेकर भाजपा और शिवसेना के कार्यकर्ताओं के बीच खींचतान के रहते इस सीट से राजन विचारे को सीधा फायदा हो सकता है। ज्ञात हो कि नरेश म्हस्के शुरू से ही एकनाथ शिंदे के समर्थन में रहे है। नरेश म्हस्के कई वर्षों तक ठाणे महानगरपालिका में नगरसेवक, सदन के नेता तथा ठाणे के उप महापौर भी रहे है। लेकिन उनकी उम्मीदवारी का नाम घोषित करने में काफी समय लग गया जबकि शिवसेना यूबीटी उम्मीदवार राजन विचारे तो प्रचार भी शुरू कर चुके है! वैसे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के लिए ठाणे प्रतिष्ठा की सीट है। यहां शिवसेना (यूबीटी) के सांसद राजन विचारे पहले ही मैदान में हैं और प्रचार भी शुरू कर चुके हैं। उम्मीदवारी को लेकर भाजपा का दबाव बढता रहा लेकिन अंत में भाजपा के कथित उम्मीदवार संजीव नाईक का टिकिट कट गया और यह सीट शिवसेना शिंदे गुट की झोली में चली गई जिसको लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में मायूसी है।

कम दाम में घर जैसा लजीज खाना

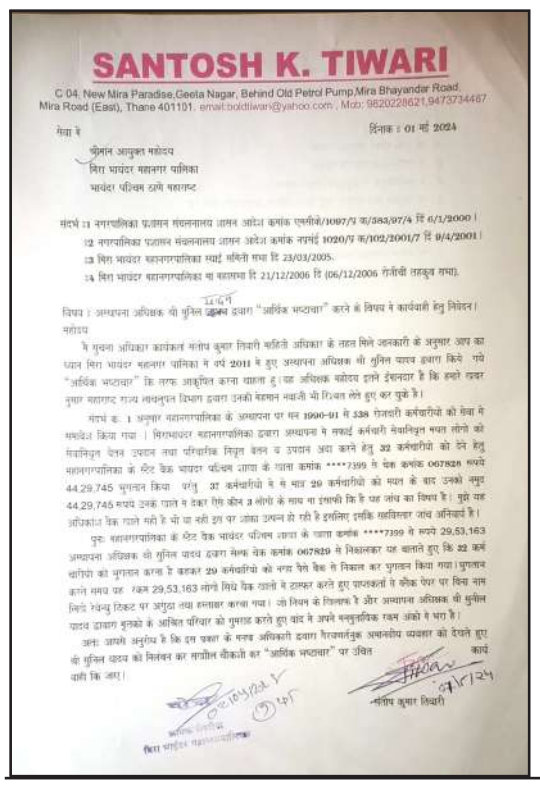

मीरा रोड: दोस्तों अगर आप नॉनवेज खाने के शौकीन हैं तो आपके लिए सबसे अच्छी जगह तेजश्री मालवणी किचन है, जो मीरा रोड के दीपक अस्पताल के पास मार्केट गेट पर फूड ट्रक के रूप में उपलब्ध है। यह तेजश्री मालवानी किचन फूड ट्रक के मालिक श्री. दिपक रीकामे और दिक्शा रिकामे है. यह एक महाराष्ट्रीयन कोंकणी परिवार से है जिन्होंने सरकारी योजना के तहत सरकार से अठारह लाख का ऋण लिया है जिसके लिए सरकार ब्याज नहीं लेती है। यह योजना नागरिकों को फुड ट्रक के रूप में व्यवसाय चलाने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह परिवार आपको महाराष्ट्र के पारंपरिक शाकाहारी और मांसाहारी भोजन का स्वाद देता है। यहा आपको चिकन में काफी तर के प्रकार का भोजन है जैसे चिकन थाली, चिकन ग्रेवी, स्टार्टर में ग्रीन चिकन है। ऑथेंटिक चिकन वडे, मालवणी स्पेशल चिकन, सुकत भाकरी, सीफूड मे पापलेट-सुरमई फ्राई, बॉम्बिल-बंगरा फ्राई, कोलंबी रस्सा। अंडा मसाला-ग्रेवी, रोटी (चावल, बाजरा, ज्वारी) जिसे मटका के रूप में गर्म परोसा जाता है। आपके ऑर्डर के अनुसार सभी प्रकार के व्यंजन परोसे जाते हैं। इनमें से किसी भी रेसिपी में आपको कोई रंग, फ्लेवर या केमिकल की मिलावट नहीं दिखेगी. उनका हर व्यंजन ताजा या साफ-सफाई को ध्यान में रखकर बनाया जाता है। यह परिवार सभी प्रकार की पार्टियों के ऑर्डर लिए जाते है. सेवा में आपके कोई कमी नहीं मिलेगी, इनकी सर्विस बहुत ही बढिया है. कीमत पर नजर डालें तो मीरा-भाईंदर के अन्य होटलों से कम है, और यहां आपको घर जैसा खाना मिलेगा। श्री दीपक रीकामे और दिक्क्षा रीकामे के पास फुड इंडस्ट्री में कई वर्षों का अनुभव है। कई ग्राहकों ने उनकी तारीफ भी की है. समय सुबह ११.०० बजे दोपहर से २.३० बजे शाम तक और शाम ६.०० बजे से रात ११.०० बजे तक दीपक अस्पताल के पास चालु रहता है । मार्केट गेट, मीरा रोड. यह सुविधा स्विगी और जोमैटो पर भी उपलब्ध है। मोबाइल न. ९०२९३२५५१०/ ८६९१९५५५१०

मनपा के सहायक आयुक्त सुनिल यादव के भ्रष्टाचार का भांडाफोड

SANTOSH K. TIWARI
C 04, New Mira Paradise,Geeta Nagar, Behind Old Petrol Pump,Mira Bhayandar Road, Mira Road (East), Thane 401101. email:boldtiwari@yahoo.com , Mob: 9820228621,9473734487

सेवा मे दिनांक : 01 मई 2024

श्रीमान आयुक्त महोदय
मिरा भायंदर महानगर पालिका
भायंदर पश्चिम ठाणे महाराष्ट्र

[illegible]

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : मीरा भायदर महानगर पालिका के सहायक आयुक्त सुनिल यादव का अस्थाना अधीक्षक रहने के दौरान आर्थिक व्यवहार व्यवहार का भ्रष्टाचार सामने आया. इन्होंने मनपा मे मृत्यु हो चुके कर्मचारियों के परिवारों को मिले सहायता राशि मे किया बडा भ्रष्टाचार. हुआ यह कि ३२ कर्मचरियों का ४४ लाख रुपये चेक से भुगतान फर्जी अकाउंट मे सिर्फ २९ लोगों को कर कोरम पूरा किया. बाद मे २९ लाख रुपये सेल्फ चेक से निकाल कर मृतक के परिजनों से ब्लैंक पेपर मे हस्ताक्षर ले कर मनमुताबिक रकम उनके नाम पर भर किया गलत व्यवहार. यह वह अधिकारी है जिसे ठाणे लांचचुपत विभाग ने ५० हजार रिश्वत लेते पकडा था वैसे भ्रष्ट अधिकारी को लाभ के पद पर रखने से क्या वह ईमानदारी से काम करेगा? महाराष्ट्र शासन का एक अध्यादेश भी है कि भ्रस्टाचार मे पकडे.गए कर्मचारी को निकाल आने तक किसी भी अर्थिक व्यवहार वाले पदों पर ना रखा जाय. अब देखना यह है कि मनपा आयुक्त श्री काटकर कितनी वफादारी से अपना दायित्व निभाते है. जिसकी सूचना वरिष्ट आरटीआई कार्यकर्ता श्री संतोष कुमार तिवारी ने लिखित मे लिख कर महाराष्ट्र प्रशासन से जांच कर कार्यवाही करने की सिफारिश की है.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9757262120 Email :newsjankalyanseva@gmail.com Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI